Under the Export-Import Policy, 1992—97 all items except those covered by Negative List of Imports are freely allowed except when they are regulated under any other law in force as given in para-8 of the policy. However, export-import Policy is constantly kept under review and changes therein are made as and when considered necessary.

चीनी का निर्यात

4208. **श्री अजीत जोगी :**
श्री छोटू भाई पटेल :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चीनी का अद्यतन स्टाक स्थिति क्या है ; और

(ख) सरकार का कितनी मात्रा में चीनी का निर्यात करने का विचार है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद): (क) दिनांक 30 जून, 1992 की स्थिति के अनुसार चीनी के स्टाक की स्थिति 7.63 मिलियन मी० टन होने का अनुमान था ।

(ख) वर्ष 1992–93 के दौरान निर्यात के लिए सरकार अब तक चीनी की 2.71 लाख मी0 टन मात्रा रिलीज कर चुकी है ।

निर्यात योग्य वस्तुओं की कमी

4209 **श्री ईश दत्त यादव :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि निर्यात योग्य वस्तुओं की मात्रा में कमी आई है ;

(ख) ऐसी वस्तुओं के उत्पादन में तेजी लाने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) उनके क्या परिणाम निकले है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) निर्यात योग्य वस्तुओं के रूप में अभिज्ञात मदों की अलग से कोई श्रेणी नहीं है । निर्यात घरेलू उत्पादन के स्तरों पर निर्भर करते हैं क्योंकि घरेलू मांग को पूरा करने के बाद बेशी सामान को ही निर्यात किया जाता है । वर्तमान अनुमानों के अनुसार वर्ष 1991–92 के दौरान औद्योगिक उत्पादन वर्ष 1990–91 की तुलना में लगभग स्थिर रहा । विशेष रूप से विनिर्मित सामान के उत्पादन में 1.8% की कमी आई ।

(ख) औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए गए हैं जिससे निर्यातों के लिए बेशी के सृजन में मदद मिलेगी । इनमें 24 जुलाई, 1991 को घोषित नई औद्योगिक नीति का कार्यान्वयन शामिल है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ यह व्यवस्था भी की गई है कि औद्योगिक क्षेत्र को काफी हद तक नियंत्रण-मुक्त किया जाए और उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में विदेशी पूंजी निवेश को बढ़ावा मिले । व्यापार नीति में वर्ष 1991 में शुरु किए गए सुधारों और नई निर्यात-आयात नीति में आयात लाइसेंस को समाप्त करने की व्यवस्था की गई है । केन्द्रीय बजट में किए गए उपाय जैसे ड्यूटी का कम किया जाना, चल निधि के अनुपात में सांविधिक रूप से कमी करना, ब्याज की दरों में कमी करना आदि जैसे किए गए उपायों से औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि होने की आशा है ।

(ग) अप्रैल, 1992 में औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक में अप्रैल, 91 की अपेक्षा 4.1% की वृद्धि दिखाई दी है ।

Earnings of Tea Companies in Assam

4210. SHRI BHADRESHWAR BURAGOHAIN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) what is the total amount of money earned in terms of rupees by the Tea Companis in Assam during 1991-92;

(b) whether these Tea Companies have spent any amount in Welfare Scheme for Assam; and

(c) if so, the details of the welfare measures taken by these companies?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED): (a) to (c) This information is being collected and will be laid on the table of the home.

Import of RPD Palmolein Oil

4211. SHRI RAMSINH RATHWA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government of Gujarat was allowed to directly import RPD Palmolein against the exports of soda ash, if so, what are the details thereof;

(b) what quantity of Palmolein was to be imported under the scheme and what quantity of soda ash was to be exported;

(c) what are the details of exports of soda ash and imports of edible oils already done by the Gujarat Government under the scheme;

(d) whether Government of Gujarat have been unable to fully utilise the targets permitted under the scheme; and

(e) whether Government propose to allow Consumers Cooperative Societies to import palmolein on similar terms and if not, the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED): (a) to (e) The proposal of the Government of Gujarat to export Soda ash against import of edible oil for Public Distribution System in Gujarat was approved as an one-time measure by the Government in August, 1991. The Government of Gujarat was allowed to import 30,000 MTs of RBD Palmolein against export of approximately one lakh MTs of Soda ash.

As per the information supplied by the Government of Gujarat they have exported 3,000 MTs of Soda ash. However no quantity of palmolein has been imported so far under this scheme.

At present, there is no proposal under consideration to allow Consumer Co-operative Societies to import Palmolein on similar terms.

यूनानी दवाओं का निर्यात

@4212. **श्री मोहम्मद अफज़ल उर्फ मीम अफज़ल :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान विदेशों को कितने मूल्य की यूनानी दवाओं का निर्यात किया गया है ;

(ख) यूनानी दवाओं के संवर्धन हेतु क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) चूंकि यूनानी दवाएं भारतीय व्यापार वर्गीकरण सुसंगत कोड के तहत अलग से वर्गीकृत नहीं की गई हैं, अत: यूनानी दवाओं के निर्यात आंकड़े अलग से नहीं रखे जाते हैं। तथापि, मूल रसायन, भेषजीय एवं प्रसाधन सामग्री निर्यात संवर्धन परिषद (केमेक्सिल) बम्बई द्वारा दी गई सूचना के अनुसार मोटे तौर पर आयुर्वेदिक, यूनानी और सिद्ध